कॉर्ड-11014/7/2019-समन्वय
भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
(समन्वय प्रभाग)
****

तृतीय तल, कौशल भवन,
न्यू मोती बाग, नई दिल्ली-110023
दिनांक: 4 अप्रैल , 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: एसडीई मंत्रालय से संबंधित मंत्रीमंडल के लिए मासिक सार- के संबंध में

मुझे फ़रवरी, 2024 के महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सार अंग्रेजी और हिंदी में, सूचनार्थ अग्रेषित करने का निर्देश हुआ है।

संलग्नक: यथोक्त

04/04/2024

(अखिलेश कुमार रॉय)
अवर सचिव (समन्वय)

प्रति:

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:
मंत्रीमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110001

फरवरी, 2024 माह के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ/पहलें इस प्रकार हैं:

1. माननीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 13 फरवरी, 2024 को अगरतला में राष्ट्रीय महिला कौशल प्रशिक्षण संस्थान का वर्चुअल उद्घाटन किया और गुजरात के वडोदरा में एक गर्ल्स हॉस्टल का भी उद्घाटन किया, जो नारी शक्ति को सशक्त बनाने और कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु महिला प्रशिक्षुओं के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाने का एक प्रमुख संकेत है। त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) मणिक साहा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। माननीय मंत्री ने कहा कि सरोजिनी नायडू की जयंती के शुभ अवसर पर, जिसे राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में भी जाना जाता है, पूर्वी और पश्चिमी भारत के दो महत्वपूर्ण केंद्रों में इन महत्वपूर्ण सुविधाओं का उद्घाटन महिला सशक्तिकरण का सच्चा प्रतीक माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र की महिलाओं को कौशल और दृष्टिकोण युक्त करके उनके मार्ग को प्रशस्त करने की दिशा में काम करेंगे और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने में सहायता करेंगे।

2. माननीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 15 फरवरी, 2024 को 15 प्रतिष्ठित संगठनों, उद्योग दिग्गजों एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके भारत की युवा शक्ति को कुशल और सशक्त बनाने के लिए अनेक पहलें और उद्योग साझेदारी शुरू की। फ्लिपकार्ट, टीमलीज, इंफोसिस, आईआईटी गुवाहाटी और लॉजिकनॉट्स, टाइम्सप्रो, बीसीजी, गूगल, अपग्रेड, अनस्टॉप, माइक्रोसॉफ्ट, एम3एम फाउंडेशन, रिलायंस फाउंडेशन, यस फाउंडेशन, यूपीएस और डिजीवर्सिटी के साथ साझेदारी की घोषणा की गई। माननीय मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आज हुई साझेदारियां कौशल भारत मिशन को आगे ले जाएंगी और वैश्विक अवसरों को अपनाने के लिए अधिक सक्षम, उत्पादक और कुशल कार्यबल तैयार करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि कौशलीकरण, पुनर्कौशलीकरण और कौशलोन्नयन के मंत्र को अपनाने से भारत अजेय बन जाएगा। जैसे-जैसे भारत प्रौद्योगिकी, पैमाने और स्थिरता का लाभ उठाकर विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होगा, भारतीय कार्यबल न केवल घरेलू मांग बल्कि वैश्विक मांग को भी पूरा करेगा। माननीय मंत्री ने कौशल इकोसिस्टम में विभिन्न डिजिटल पहलों के बारे में भी अवगत कराया, जो कहीं भी, कभी भी और सभी के लिए कौशल सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने कौशल इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने में सामाजिक भागीदारी के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियां सभी के लिए लाभकारी साबित हो रही हैं।

3. माननीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 20 फरवरी, 2024 को संबलपुर, ओडिशा में देश के पहले कौशल भारत केंद्र (एसआईसी) का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उद्घाटन के अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि आधुनिक जॉब रोल्स में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व करके, अमृत पीढ़ी के कौशल पाठ्यक्रम को मांग-संचालित उद्योगों में उन्नत किया जाएगा और इस केंद्र के माध्यम से. 1200 से अधिक छात्रों को सशक्त बनाने का उद्देश्य होगा।

4. माननीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 20 फरवरी, 2024 को ओडिशा के संबलपुर में राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना का भी उद्घाटन किया। इस पहल के राष्ट्रव्यापी दायरे पर बल देते हुए, इस पहल को भोपाल, कानपुर, इंदौर, वाराणसी, भरतपुर, शिलांग, सिलचर, डिब्रूगढ़ और गुवाहाटी सहित 9 शहरों में भी वर्चुअली लॉन्च किया गया था। माननीय मंत्री ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय उद्यमशीलता विकास परियोजना का उद्देश्य माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी प्रदाता बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप, व्यापक उद्यमशीलता प्रशिक्षण युक्त करना होगा। . उभरते नौकरी बाजार के अनुरूप ढलने की अनिवार्यता को पहचानते हुए, यह पहल नव-प्रवर्तित प्रौद्योगिकी के युग में कर्मचारियों की प्रतिस्पर्धात्मकता और अनुकूलनशीलता को बढ़ाने के लिए पुनर्कौशलीकरण और कौशलोन्नयन पर केंद्रित है।

5. **प्रधानमंत्री वन धन योजना (पीएमवीडीवाई) :**

i. 10 से 18 फरवरी 2024 तक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित आदि महोत्सव में ट्रिसम ब्रांड की भागीदारी महोत्सव का उद्देश्य जनजातीय कला, शिल्प, व्यंजन और जनजातीय लोक उत्पादों की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन करना है। भारत की महामहिम राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने जनजातीय मामलों और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री माननीय श्री अर्जुन मुंडा के साथ आईआईई के ट्रिसम स्टॉल का दौरा किया, जहां उन्हें पहल और उत्पादों के बारे में जानकारी दी गई।

ii. 12 से 16 फरवरी 2024 तक आईआईई पोषक केंद्र में एमएफपी मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गोलाघाट और चराइदेव जिले के 05 वीडीवीकेसी के 10 लाभार्थियों ने भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया।

iii. ट्रिसम ने 21 से 28 फरवरी 2024 तक गुवाहाटी के दिघाली पुखुरी के सामने, लखीधर बोराह क्षेत्र में ट्राइफेड द्वारा आयोजित जनजातीय बाजार में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य असम के जनजातीय कारीगरों द्वारा तैयार उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, हमारे दो वन धन विकास केंद्र क्लस्टर- नाहरानी वीडीवीकेसी और धेमाजी जिले के डेकापम वीडीवीकेसी ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया, अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया और बेचा। इससे वीडीवीकेसी के लाभार्थियों को विपणन पर अच्छा अनुभव प्राप्त करने में सहायता मिल रही है।

iv. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तहत उत्तर पूर्वी राज्यों में जनजातीय कारीगरों और सूक्ष्म उद्यमियों के लिए एक व्यापक उद्यमशीलता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम-संकल्प कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम असम के 101 वीडीवीकेसी को शामिल करेगा, जो विभिन्न ट्रेडों पर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 फरवरी से शुरू हो गए हैं। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि 30 दिन है और एक बैच का आकार 25 है।

6. **राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) :**

i. **प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला (पीएमएनएएम) :** राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राज्य के कुल जिलों के 1/3 में प्रत्येक दूसरे सोमवार को पीएमएनएएम आयोजित करने की सलाह दी गई है ताकि सभी जिलों को तिमाही में एक बार और वर्ष में चार बार शामिल किया जा सके। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को स्थानीय परिस्थितियों/त्योहारों आदि के आधार पर जिला/स्थान और मेले का दिन चुनने की छूट दी गई है। तदनुसार, जनवरी माह के लिए, पीएमएनएएम का आयोजन 12.02.2024 को किया गया था। इसके साथ ही जून 2022 के माह से देश में 3,739 स्थानों पर पीएमएनएएम का आयोजन किया गया है। कुल मिलाकर, उम्मीदवारों की संख्या 4.81 लाख तक पहुंच गई है और पीएमएनएएम में भाग लेने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 27,275 है। पीएमएनएएम शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए पक्ष समर्थक मंच के रूप में भी कार्य करता है। प्रत्येक पीएमएनएएम के बाद, अगले 20 दिनों के लिए शिक्षुता अनुबंधों को ट्रैक किया गया और 7.64 लाख शिक्षुता अनुबंध तैयार हुए, जिसमें पीएमएनएएम के बाहर तैयार अनुबंध भी शामिल हो सकते हैं।

ii. **शिक्षुता प्रशिक्षण की स्थिति:** चालू वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 29 फरवरी 2024 तक नियुक्त शिक्षु 8,46,882 हैं। 29 फरवरी 2024 तक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षुओं की कुल संख्या 7.7 लाख है। 29 फरवरी 2024 तक शिक्षुओं को नियुक्त/नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 45,148 है।

iii. **डीबीटी स्थिति:** डीबीटी को राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) के तहत 11-08-2023 को लॉन्च किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता (एसडीई) मंत्री द्वारा किया गया। डीबीटी के माध्यम से भाग लेने वाले शिक्षुओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है और जुलाई 2023 (1,64,652) से फरवरी 2024 (2,84,891) तक 73% की वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान, वृत्तिका में भारत सरकार का भाग डीबीटी के माध्यम से शिक्षुओं को 229.79 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।

7. **बैठकें एवं कार्यशालाएँ:**

i. **सीएससी (ग्राम स्तर के उद्यमियों को शामिल करना):** सीएससी में शिक्षुता नियोजन का सहयोग करने के लिए, सीएससी (उत्तराखंड, त्रिपुरा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में) से 3040 वीएलई का विवरण प्राप्त हुआ है। प्रगति को बढ़ाने के लिए सीएससी समीक्षा बैठक 08 फरवरी 2024 और 22 फरवरी 2024 को आयोजित की गई। 27 फरवरी 2024 को शिक्षुओं के नामांकन, स्कीम के लाभ, प्रोफ़ाइल पूर्ण होने की जानकारी आदि से संबंधित प्रश्नों के समाधान के लिए सीएससी के राज्य एसपीओसी के साथ कार्यशाला आयोजित की गई।

ii. **राज्य और टीपीए के साथ अभिविन्यास:** कर्नाटक राज्य टीम और टीपीए के बीच अभिविन्यास की सुविधा के लिए 28 फरवरी 2024 को एक बैठक आयोजित की गई थी। चर्चा का मुख्य बिंदु राज्य के एएए के साथ टीपीए की भागीदारी के माध्यम से शिक्षु नियोजन को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपायों के आसपास था।

iii. **हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ बैठक:** कौशल इकोसिस्टम में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की भूमिका पर चर्चा करने के लिए 14.02.2024 को एचएएल के प्रतिनिधियों के साथ एमएसडीई के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी।

iv. **पीएमकेवीवाई 4.0 के लिए कार्यकारी समिति की बैठकें:** पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत प्रस्तावों पर विचार करने के लिए संयुक्त सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में पीएमकेवीवाई 4.0 के लिए कार्यकारी समिति की 9वीं और 10वीं बैठक क्रमशः 16 फरवरी, 2024 और 29 फरवरी, 2024 को आयोजित की गईं।

v. **राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड):** एमएसडीई के तहत एक स्वायत्त निकाय निस्बड ने ग्रामीण और पारंपरिक उद्यमों और उद्यमिता के लिए क्लस्टर विकास और आजीविका सृजन कार्यकलापों को बढ़ावा देने पर 42 प्रतिभागियों के लिए तीन सप्ताह के ऑन-कैंपस 2 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। निस्बड ने फरवरी 2024 के दौरान संबलपुर (ओडिशा), भरतपुर (राजस्थान), इंदौर और भोपाल (मध्य प्रदेश) एवं वाराणसी और कानपुर (उत्तर प्रदेश) जैसे विभिन्न स्थानों पर लगभग 500 पीएम-स्वनिधि लाभार्थियों के लिए छह उद्यमिता विकास कार्यक्रम भी संचालित किए हैं।

vi. **भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई):** एमएसडीई के तहत एक स्वायत्त निकाय आईआईई ने 12 से 16 फरवरी 2024 तक आईआईई पोषक केंद्र में एमएफपी मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें गोलाघाट और चराइदेव जिले के 05 वीडीवीकेसी के 10 लाभार्थियों ने भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया।

vii. 13 फरवरी, 2024 को माननीय एसडीई और शिक्षा मंत्री द्वारा एनएसटीआई (डब्ल्यू) अगरतला के परिसर और एनएसटीआई (डब्ल्यू) वडोदरा के गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया गया। आईआईएस-कानपुर के परिसर और एनएसटीआई देहरादून के छात्रावास का उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 20 फरवरी, 2024 को किया गया।

8. **जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस):** जेएसएस, अभिसरण के भाग के रूप में, सरकार की प्रमुख स्कीम, अर्थात् पीएम विश्वकर्मा (पीएमवी) को कार्यान्वित कर रहा है। स्कीम के विभिन्न ट्रेडों में पूरे भारत में 51 जेएसएस में पीएमवी के तहत प्रशिक्षण शुरू किया गया है। 8 जेएसएस के प्रबंधन बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। 5 जेएसएस के प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों के लिए परिवर्तन अनुरोधों को मंजूरी दे दी गई है। फरवरी, 2024 के महीने में जेएसएस लाभार्थियों का प्रशिक्षण विवरण इस प्रकार है:

नामांकित	प्रशिक्षित	आकलित	प्रमाणित
1753	138667	63205	27328
जेंडर-वार प्रशिक्षण विवरण:			
प्रशिक्षित लाभार्थी			
पुरुष	**महिला**	**ट्रांसजेंडर**	**कुल**

19174	119457	36	138667

श्रेणी-वार प्रशिक्षण विवरण:

प्रशिक्षित लाभार्थी					
एससी	**एसटी**	**ओबीसी**	**अल्पसंख्यक**	**सामान्य**	**कुल**
33359	19149	51594	13420	21145	138667

वित्तीय विवरण: फरवरी माह में, 05 जेएसएस को 65,07,353 रुपए की अनुदान सहायता जारी की गई।

9. **आजीविका संवर्धन हेतु कौशल अर्जन और ज्ञान जागरूकता (संकल्प) :**

(i) विश्व बैंक ने 13 फरवरी 2024 से 20 फरवरी 2024 तक "शिक्षा ज्ञान विनिमय पर भारत शिखर सम्मेलन" का आयोजन किया था। अफ्रीका और एशिया के लगभग 20 देशों के मंत्री और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, निजी क्षेत्र के अधिकारी, नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधि और विश्व बैंक ने उक्त शिखर सम्मेलन में भाग लिया। आयोजन के भाग के रूप में, विभिन्न अल्पावधि और दीर्घावधि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यान्वयन को समझने के लिए 16 फरवरी 2024 को दिल्ली में कौशल केंद्र (आईटीआई पूसा, आईटीआई निज़ामुद्दीन, कौशल भारत केंद्र- ओखला और जीएमआर द्वारका) का आधे दिन का दौरा किया गया था। यात्रा के भाग के रूप में, प्रतिनिधियों ने संकल्प के तहत परियोजना अम्बेर के लाभार्थियों सहित प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षकों के साथ बातचीत की।

(ii) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ साझेदारी में संकल्प के तहत छह राज्यों - आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में "ग्राम पंचायत स्तर (डीएलआई-7) पर सूक्ष्म उद्यमियों को सक्षम बनाना" नामक एक परियोजना कार्यान्वित कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य ग्राम पंचायत (जीपी) स्तर पर कुशल कार्यबल प्रदान करके सेवा प्रदेयता में सुधार करना है। परियोजना के उद्देश्यों में लाभार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक कौशल युक्त करना, कुशल कार्यबल के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ाना, नवाचार को बढ़ावा देना, सामाजिक समावेश और जेंडर समानता को बढ़ावा देना और साझेदारी के माध्यम से एक आत्मनिर्भर मॉडल स्थापित करना शामिल है। फरवरी 2024 तक, 4902 लाभार्थियों ने इस कार्यक्रम में नामांकन किया है, 110 को प्रशिक्षित किया गया है और 307 ग्राम पंचायतों को शामिल करते हुए 3469 उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण जारी है।

(iii) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय एनएसडीसी द्वारा कार्यान्वित युवा कार्यक्रम के माध्यम से दिल्ली पुलिस के सहयोग से एक अनूठी परियोजना कार्यान्वित कर रहा है। यह कार्यक्रम स्थानीय पुलिस स्टेशनों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। युवा 2.0 कार्यक्रम का लक्ष्य 10,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करना है, जिसमें 40% लाभार्थी महिलाएं हैं। फरवरी 2024 तक, 9,674 उम्मीदवारों को सफलतापूर्वक प्रमाणित किया गया है।

(iv) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय एनएसडीसी के साथ मिलकर संकल्प के भाग के रूप में अम्बेर परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से नौकरी दिलाने की दक्षता को सुदृढ़ करना और अल्पावधि कौशल पहल के परिणामस्वरूप रोजगार को बनाए रखना है। परियोजना का उद्देश्य 30,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिसमें आधुनिक प्रशिक्षण विधियों का उपयोग करके उच्च-परिमाण प्रौद्योगिकी-केंद्रित जॉब रोल्स शामिल हैं। फरवरी 2024 तक, 22,143 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है, 14,193 का आकलन किया गया है और 12,582 को प्रमाणित किया गया है। इसमें फरवरी 2024 माह में 1,983 उम्मीदवारों का प्रशिक्षण और 665 उम्मीदवारों का प्रमाणीकरण शामिल है।

10. उपरोक्त पहलों के अतिरिक्त, सभी परिणामक्षेत्रों के त्वरित निपटान में अत्यधिक तत्परता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अनेक आंतरिक उपायों के माध्यम से कार्य निष्पादन को युक्तिसंगत बनाने की चल रही प्रक्रिया जारी रही।

*****